ATMASTCO LTD.

CIN No. : L29222CT1994PLC008234

REF-ATML/NSE-SME/2025/57 **Date: 06.01.2025**

To
National Stock Exchange of India Limited
Exchange Plaza, C-1, Block - G,
Bandra Kurla Complex, Bandra,
Mumbai-400051, Maharashtra

Company Symbol: ATMASTCO (EQ) ISIN; INE05DH01017

Subject: Publication of Notice of Remote e-voting regarding Annual General Meeting (AGM) to be held on 27th January 2025.

Dear Sir/Madam,

We have published the Notice regarding remote e-voting in Hindi and English Edition newspapers on 05.01.2025. Please find enclosed herewith a copy of the paper cuttings of the same.

Thanking you,

Yours faithfully,

For, Atmastco Limited

VENKATARAMAN GANESAN Digitally signed by VENKATARAMAN GANESAN Date: 2025.01.06 11:22:24 +05'30'

Venkatraman Ganesan
Director
DIN: 00892697

[खास खबर]

मुकेश चंद्राकर को मंत्री और सांसद ने दी श्रद्धांजलि

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

बीजापुर के युवा पत्रकार स्व. मुकेश चंद्राकर के निवास पहुंचकर वन मंत्री केदार कश्यप व बस्तर सांसद महेश कश्यप ने मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री केदार कश्यप और सांसद महेश कश्यप ने मुकेश चंद्राकर की हत्या पर दुख जताते हुए कहा कि आरोपी बख्शे नहीं जाएंगे।

रोज़गार सहायक की मनमानी की भेंट चढ़ा धनपूंजी स्कूल का मैदान

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनपूंजी के मैदान में जनपद पंचायत के रोजगार सहायक संतोष द्वारा बिना किसी जानकारी अथवा अनुमति के गड्ढे खोद दिए गए हैं। शाला प्रांगण के मैदान में गड्ढे खोदे जाने से बच्चों के खेलने के लिए मैदान का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनपूंजी प्रांगण में वर्तमान में बाउंड्रीवॉल निर्माण प्रस्तावित है। भविष्य में शाला के लिए विकास कार्य भी कराए जा सकते हैं। किंतु रोजगार सहायक की मनमानी के चलते बच्चों के खेलने का मैदान वर्तमान में गड्ढे में तब्दील हो गया है। रोजगार सहायक द्वारा स्कूल के मैदान में गड्ढा खोदाई से ऐसा प्रतीत होता है कि पंचायत विभाग के किसी योजना को अमली जामा पहना कर धन राशि की बंदरबांट करने की योजना नजर आ रही है। स्कूल के मैदान में खड्डू खोदे जाने से स्कूली छात्र-छात्राओं में भारी रोष व्याप्त है। शीघ्र ही गड्ढों कि पटाई न किए जाने की स्थिति में बच्चों द्वारा उग्र आंदोलन किया जा सकता है। जहां एक ओर शासन बच्चों के पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में आगे बढ़ने के लिए प्रयास कर रहा है वहीं दूसरी ओर रोजगार सहायक द्वारा इस प्रकार का अनधिकृत कृत्य निंदित हो. जांच का विषय है।

मुकेश चंद्राकर की हत्या पर प्रेस क्लब ऑफ इंडिया ने की कड़ी निंदा

पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार: पीसीआई

श्रमबिन्दु / दिल्ली

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया बीजापुर के स्वतंत्र पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की खबर सुनकर स्तब्ध है। पीसीआई ने हत्या की कड़ी निंदा करते हुए अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष गौतम लाहिड़ी, महासचिव नीरज ठाकुर एवं विमेंस प्रेस क्लब की अध्यक्ष पारुल शर्मा ने हत्या की निंदा करते हुए राज्य सरकार से उचित कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि दुख की इस घड़ी में प्रेस क्लब ऑफ इंडिया परिवार अपने सदस्यों और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। बयान में कहा गया है कि मुकेश चंद्राकर बस्तर जंक्शन नामक एक लोकप्रिय यूट्यूब चैनल चलाते थे, इसके अलावा वे भारत,

आदिवासी अधिकारों और संघर्ष प्रभावित बस्तर में उग्रवादी हिंसा के मुद्दों पर विभिन्न मीडिया घरानों के लिए लिखते और रिपोर्टिंग करते थे। स्थानीय पुलिस के अनुसार 31 वर्षीय पत्रकार, जो 1 जनवरी से लापता थे, उनका शव शुक्रवार को बीजापुर में एक ठेकेदार की प्रॉपर्टी पर स्थित सेप्टिक टैंक में मिला था। बस्तर संभाग से रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों पर हमले और उनकी हत्या कोई नई बात नहीं है, लेकिन जिस तरह से इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, वह अस्वीकार्य है और इसे प्रभावी ढंग से लिया जाना चाहिए। राज्य सरकार को पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने की स्थानीय पत्रकारों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर तुरंत गौर करना चाहिए। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया अगले सप्ताह की शुरुआत में क्लब के परिसर में शोकसभा सह विरोध सभा आयोजित करने की योजना बना रहा है। पत्रकारों, खासकर उन पत्रकारों से अनुरोध है कि वे इसमें शामिल हों जो इस क्षेत्र को कवर कर रहे हैं।

इंसाफ की लड़ाई लड़ रही है कांग्रेस: लखेश्वर बघेल

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निकाली गई न्याय पदयात्रा में बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल भी शामिल हुए। प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा निरस्त किए गए सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की स्थापना, स्थानीय बेरोजगारों को एनएमडीसी में नौकरी देने, प्रभावित गांवों के विकास के लिए सीएसआर मद की राशि जारी करने की मांग, नगरनार स्टील प्लांट विनिवेशीकरण के विरोध में तथा एनएमडीसी का मुख्यालय जगदलपुर में लाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने शनिवार को नगरनार के खूंटपदर से जगदलपुर तक छत्तीसगढ़ न्याय पदयात्रा निकाली गई। विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि यह यात्रा आर्थिक न्याय के लिए, सामाजिक न्याय के लिए, राजनीतिक न्याय के लिए लोकतंत्र को बचाने के लिए है संविधान को बचाना है, महंगाई और बेरोजगारी से पीड़ित लाखों परिवारों को नया भविष्य, उज्जवल भविष्य दिखाना है और जो समाज बिखर रहा है उसे फिर से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू करनी है। बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि जनता की आवाज को अनसुना किया जा रहा है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। सीएसआर मद की राशि प्रभावित गांवों के लोगों का हक है, जिसे छीना जा रहा है। सीएसआर के तहत प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए निर्धारित राशि अभी तक जारी नहीं की गई है। यह एक बड़ी विफलता है।

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने खूटपदर से भरी हुंकार,14 कि.मी. न्याय यात्रा कर कमिश्नर को राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

सुशील मौर्य के नेतृत्व में जगह जगह हुआ स्वागत, खूटपदर से हजारों कांग्रेसी पहुंचे जगदलपुर

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा के तहत नगरनार खूटपदर से जगदलपुर तक विशाल न्याय यात्रा निकाली गई। दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्राकर को मौन श्रद्धांजलि देने के बाद न्याय यात्रा की शुरुआत की गई। खूटपदर के कोयागुड़ा में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल खोलने, एनएमडीसी नगरनार के विनिवेशीकरण पर रोक लगाने, एनएमडीसी प्रभावित गांवों के लोगों को सीएसआर की राशि प्रदान करने, नगरनार एनएमडीसी में स्थानीय युवाओं को रोजगार दिलाने व एनएमडीसी मुख्यालय जगदलपुर में लाने की पांच सूत्रीय मांग को लेकर ऐतिहासिक 13 किलोमीटर की पदयात्रा निकालने से पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने खूटपदर के शीतला माता मंदिर में यात्रा की सफलता हेतु पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान जनसैलाब के साथ हजारों कांग्रेसियों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में खूटपदर से जगदलपुर की पदयात्रा कर पांच सूत्रीय मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम बस्तर कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा गया। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में जगदलपुर पहुंची न्याय पदयात्रा के नेतृत्वकर्ता दीपक बैज का शहर के मांझि चौक, मठिया चौक, कुम्हारपारा चौक, एसबीआई चौक और शहीद पार्क चौक पर भव्य स्वागत किया गया।

दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस सरकार में अस्पताल के लिए जमीन आवंटन हुआ था। बस्तर में प्रस्तावित सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनना था। बस्तर के कोयागुड़ा में प्रस्तावित सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल को रद्द कर दिया गया है। बीजेपी सरकार नहीं चाहती बस्तर में अच्छा अस्पताल बने, अस्पताल और जमीन आवंटन को निरस्त कर दिया। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि जिस नगरनार स्टील प्लांट के लिए ग्रामीणों ने अपनी जमीन दी। जिस पर नगरनार प्लांट बना और वहां उत्पादन भी शुरू हुआ है। जब भी कोई कंपनी जमीन अधिग्रहण करती है और डीपीआर तैयार करती है, तब शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था वहां के प्रभावित लोगों के लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। 5 साल

जब हमारी सरकार थी, तब यहां कोयागुड़ा में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के लिए जमीन चयनित की गई थी। प्रभावितों के लिए अस्पताल जरूरी है और इसे बनाने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करनी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि नगरनार स्टील को उजागर करता है। विनिवेशीकरण के बाद इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर समाप्त हो जाएंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। वहीं बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठक में पारित प्रस्ताव के तहत 22 एकड़ जमीन खूंटपदर में आवंटित की गई थी जिस पर है। सीएसआर मद की राशि प्रभावित गांवों के लोगों का हक है, जिसे छीना जा रहा है सीएसआर के तहत प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए निर्धारित राशि अभी तक जारी नहीं की गई है। कुल मिलाकर भाजपा सरकार ने बस्तरवासियों को सिर्फ छला है और विकास से हमेशा वंचित

प्लांट का विनिवेशीकरण घातक निर्णय है। यह जनता के हितों के खिलाफ है और इसे केवल निजीकरण की साजिश के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय संपत्ति की लूट नगरनार जैसे नवरत्न प्लांट का विनिवेशीकरण और इसके बाद निजीकरण भाजपा सरकार और प्रबंधन की पूंजीपतियों को खुश करने की नीति एनएमडीसी की साफ प्रतिक्रिया आई है कि अब हम अस्पताल नहीं बनाएंगे। एनएमडीसी ने वादा किया था कि अस्पताल हम बनाएंगे, किंतु भारतीय जनता पार्टी की सरकार उस प्रोजेक्ट पर पूर्णतः ग्रहण लगा चुकी है। जनता की आवाज को अनसुना किया जा रहा है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान रखा है। सिर्फ पूंजीपतियों की सेवा में सीएसआर मद का उपयोग पूंजीपतियों के लाभ के लिए किया जा रहा है। एनएमडीसी क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार का प्रमुख स्त्रोत है मगर स्थानीय युवाओं को रोजगार न देकर बाहरी लोगों को काम पर रखा जा रहा है। यह क्षेत्रीय जनता के साथ अन्याय है।

एनएमडीसी मुख्यालय जगदलपुर में हो

दीपक बैज ने कहा कि एनएमडीसी का मुख्यालय जगदलपुर में लाया जाए, स्थानीय युवाओं को रोजगार दिया जाए एवं उन्हें प्रशिक्षित कर रोजगार के योग्य बनाया जाए। एनएमडीसी नगरनार प्लांट का विनिवेशीकरण, अधूरा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, सीएसआर फंड का जारी ना होना और स्थानीय लोगों को रोजगार ना मिलना यह सभी क्षेत्र के विकास में बाधक है। केंद्र और प्रदेश की साय सरकार सिर्फ पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने का कार्य कर बस्तर का दोहन कर रही है। इन सभी पदयात्रा कर राज्यपाल के नाम बस्तर कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान राष्ट्रीय छत्तीसगढ़ सह प्रभारी सचिव संपत कुमार, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, विधायक लखेश्वर बघेल, सावित्री मंडावी, पूर्व विधायक मोहन मरकाम, रेखचंद जैन, राजमन बेंजाम, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य, विकास उपाध्याय, कोको पाढ़ी, राजीव शर्मा, आकाश शर्मा, कविता साहू मौजूद थे।

ईडी ने जो दस्तावेज मांगे, मैंने दे दिए: कवासी लखमा

पूर्व आबकारी मंत्री और उनके बेटे से ईडी ने 9 घंटे तक पूछताछ

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

शराब घोटाला मामले में शुक्रवार को रायपुर के ईडी दफ्तर में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। यह पूछताछ करीब 9 घंटे तक चली।

पूछताछ के बाद कवासी और हरीश लखमा ईडी दफ्तर के बाहर आए। इस दौरान कवासी लखमा ने बताया कि अधिकारियों के सभी सवालों का उन्होंने जवाब दिया। पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने

कहा- ईडी के द्वारा मांगे गए दस्तावेज मैंने उन्हें सौंप दिए हैं। हालांकि, मेरे पूछे गए सवालों का जवाब ईडी के द्वारा नहीं दिया गया। मुझसे जो कागज मांगे गए थे, वे मैंने जमा किए हैं। कुछ बातें सभी ने पूछी, जिसका मैंने जवाब दिया। उन्होंने बताया कि कुछ कागज बाकी हैं, जिन्हें पेश करने के लिए मैंने और कुछ दिन का समय मांगा है। मेरी बेटी और पत्नी ने संपत्ति का ब्योरा दिया है, अभी बड़े बेटे और बहू का देना है। उन्होंने यह भी कहा, मेरे साथ कोई बदतमीजी नहीं हुई है। चाय-नाश्ते के लिए पूछा गया था, लेकिन कोई परेशानी नहीं हुई। अंदर की बातों को सार्वजनिक करना ठीक नहीं है। मैं कांग्रेस पार्टी का सदस्य हूं और कानून को मानने वाला व्यक्ति हूं। बीजेपी ने जानबूझकर मुझे परेशान करने के लिए आरोप लगाए हैं। यह आरोप सरकार और बीजेपी के इशारे पर मुझ पर लगाए गए हैं। मैं इस लड़ाई को अंतिम सांस तक लड़ूंगा। जब तक जिंदा रहूंगा, आदिवासियों के लिए लड़ता रहूंगा। कवासी लखमा ने आगे कहा कि मैं घोटाले को कबूल नहीं कर रहा हूं, लेकिन जांच चल रही है। अगर दो नंबर की शराब भेजी गई है, तो अधिकारी के की जांच क्यों नहीं की गई, तीन शराब बनाने वाली कंपनियां हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? शराब कंपनियों पर जांच करो। उन्होंने कहा - ऐसा कोई ऑफर मुझे नहीं मिला है। वे जानते हैं कि मैं कांग्रेस पार्टी में हूं, इसलिए मुझे कोई ऑफर नहीं दिया गया।

मुख्यमंत्री प्रवास के दौरान गाड़ियों के पार्किंग के लिए रूट चार्ट जारी

श्रमबिन्दु / गरियाबंद

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का गरियाबंद जिले में प्रवास कार्यक्रम 05 जनवरी 2025 को प्रस्तावित है। इस संबंध में मुख्यमंत्री प्रवास के दौरान कार्यक्रम स्थल में शामिल होने वाले लोगों के गाड़ियों के पार्किंग के लिए रूट चार्ट जारी किया गया है। साथ ही पार्किंग स्थल बनाया गया है। राजिम तरफ से एनएच के माध्यम से आने वाली गाड़ियां मालगांव चौक से कोचवाय मोड़ तक आते हुए कोकड़ी, तवरबाहरा के तरफ से गुरूकुल कॉलेज में पार्क होगी। छुरा-फिंगेश्वर से आने वाली गाड़ियां भी कोकड़ी, तवरबाहरा के तरफ से गुरूकुल कॉलेज में पार्क होगी। इसी प्रकार मैनपुर, देवभोग एवं धारागांव तरफ की गाड़ियां देवभोग रोड में स्थित कन्या छात्रावास के सामने पार्क होगी।

भाजपा पहले अपने दामन के दाग देखे: दीपक बैज

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के आरोपों से घिरे सुरेश चंद्राकर के साथ अपना नाम घसीटे जाने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा को आड़े हाथ लिया है। श्री बैज ने कहा है कि एक जिम्मेदार पत्रकार की हत्या पर यह भाजपा की ओछी मानसिकता का परिचायक है। उन्होंने कहा है कि भाजपा पहले अपने दामन के दाग देखे। किसी पवन सिंह ठाकुर, सुधीर तंबोली आदि ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें सुरेश चंद्राकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को गुलदस्ता भेंट कर रहे हैं और दोनों प्रसन्न मुद्रा में नजर आ रहे हैं।

पोस्ट में कहा गया है कि कांट्रैक्टर सुरेश चंद्राकर कांग्रेस एससी मोर्चा के प्रदेश सचिव और पूर्व सांसद व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के कट्टर समर्थक हैं। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि भाजपा की तासीर ही ऐसी है। यह एक कर्मठ पत्रकार की हत्या के मामले पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आती। पूरे राज्य में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। प्रायः रोज हत्या, बलात्कार, लूट जैसी जघन्य वारदातें हो रही हैं। बस्तर से लेकर सरगुजा तक, मानपुर मोहला से लेकर कवर्धा तक और रायगढ़ से लेकर राजनांदगांव तक अपराधों एवं अपराधियों की बहार है। सरकार अपराध रोकने में पूरी तरह नाकाम है। भाजपा नेताओं के संरक्षण में अपराधी बेखौफ होकर वारदात कर रहे हैं। श्री बैज ने कहा कि भाजपाई अपनी सरकार की नाकामी छुपाने अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।

सुरेश चंद्राकर पर आरोप सिद्ध नहीं हुआ है, न ही अभी उनका नाम आया है। दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस वो पार्टी है, जो अपराधियों को भाजपा की तरह अपराधियों को बचाती नहीं, जैसा कि महिला पहलवानों के मामले में भाजपा ने किया था। अगर सुरेश चंद्राकर आरोपी हैं और उन पर आरोप सिद्ध हो जाती है, तो कांग्रेस अपने पार्टी संविधान के मुताबिक जरूर कार्रवाई करेगी।

New Year resolutions for your investing journey

2025 RULEBOOK. Five important resolutions you can take now for a smoother ride in the markets through this year

Nishanth Gopalakrishnan
bl. research bureau

According to historian AJP Taylor, "Men only learn from their mistakes how to make new ones!" Nevertheless, as 2025 dawns, while as in any year, investing mistakes cannot be avoided, it is important to learn the important lessons that 2024 taught us, so that we avoid repeating past errors. Here are five important resolutions you can take now for a smoother investing journey through 2025.

INVESTMENT/ TRADING JOURNAL

2024 was quite a volatile year for markets. Small-cap and mid-cap stocks corrected in early March from the highs of February, reacting to SEBI's comment that there were pockets of irrational exuberance in them and that mutual funds in this space should disclose the results of stress-tests. Then there was General Election results-led volatility in June, though it was short. The second half of the year saw volatility due to unwinding of Yen carry trade and other factors. If you were a speculator, the volatility of 2024 made it a year of opportunities. If you were an investor, you could have kept calm through these phases of volatility, but only as long as you did not panic looking at short-term movements.

To stick to your guns as investor, it is important to have a pre-set investment strategy, that helps you hold your nerves when markets are crazy. When you buy a stock, make short crisp notes in four-five bullet points on why you are buying, your thesis for the stock and triggers to exit. When markets are acting crazy, refer to it and then make any follow-up decision if required. If you are a trader, maintain a journal with rules for entry and exit for every trade you make.

It is common to find individuals mixing up investing with trading and vice-versa. Maintaining a good investment or trading journal will ensure you don't slip from being a trader to an investor or vice-versa. Give this suggestion a shot and see how it works out for you in 2025.

LEARN TO LET GO

The year 2024 saw SEBI come up with a study that revealed 93 per cent of retail traders lost money in the equities derivatives market.

There was effectively a massive wealth transfer of $22 billion over FY22-24 from the bank accounts of retail derivative traders, into largely the bank accounts of well-equipped institutional traders and pod shops.

If this statistic was not shocking, even more shocking was how persistent retail traders were in continuing to trade in derivatives despite their losses and low odds of making money.

Many dreams of 'getting rich quick' got crushed as the reality of F&O trading dawned upon them. But what was more disheartening was the inability of many to let go of past losses and start fresh. So many years are lost in attempting to recover past losses, that result in loss of time that is many times more valuable than financial loss.

As we mentioned in one of our articles on F&O Trading - 'The Great Indian Slaughterhouse' - "There is no shame in making losses, but maybe there is when it comes to not dealing with it with maturity."

Whether you are burdened by losses in trading or investing, own up to the losses, seek external help if required and start fresh. Don't waste time on regrets and miss new opportunities that markets will provide in 2025.

Look to make gradual progress in your finances from where you are now and don't target to reach where you were before your losses right away.

Remember, 2025 is the first year in the rest of your investing life.

KEY POINTS
- Stay calm amidst highly volatile markets
- Look at the future potential of an investment, not the past
- Set up automated mandates for SIPs

DIVERSIFICATION IS KEY

As the adage goes, "Don't put all your eggs in one basket", it is important to diversify across asset classes such as gold and debt. In the year gone by, while the Nifty returned just about 9 per cent, gold saw gains of over 21 per cent.

This is because equity and gold react differently to global events and the correlation between their returns is lower. This helps greatly in bringing down the portfolio risk.

"When you have uncorrelated or low-correlated assets, you can dramatically reduce your risk without reducing your return," says billionaire investor Ray Dalio.

Decide on your asset allocation based on factors such as age and risk appetite. Also do not get greedy when an asset class rallies sharply. Rebalancing the portfolio periodically is as important as asset allocation itself.

INVEST LOOKING FORWARD

In 2024 and also in the last three years, stocks such as HUL, Asian Paints and Kotak Mahindra Bank have greatly underperformed the market and investors in these stocks have been left holding the bag. A classic case of investors' recency bias at play after a glorious decade for these stocks between 2010 and 2020, and expectations that it will continue through current decade as well.

The pertinent question to answer before clicking the 'Invest now' button is: 'Will this investment make money for me in the future?'.

It's always good to go back to the basics and answer the question – 'What really is the fair value of an investment?'. It's always the value of future cash flows discounted. To quote the Oracle of Omaha, "The investor of today does not profit from yesterday's growth".

That quality stocks bought at any price will continue to yield excellent returns was an offshoot of the zero interest rate regime in developed markets, and hence is now likely a relic of the past.

PAY YOURSELF FIRST

For a few years now, after the pandemic, net household savings are slowing, as indicated by the Ministry of Statistics and Programme Implementation statistics.

While gross savings grew at 12 per cent compounded, liabilities grew at a rapid 26 per cent, driven by high growth in personal loans and credit card debt. Some borrowers' financial hygiene went for a toss and unsecured loan defaults have shot up.

Financial institutions reported elevated delinquencies in this space in 2024. It was even common to come across cases of retail speculators trading with such borrowed capital.

To set your financial hygiene straight, a budget can be the best way to start.

To ensure you save consistently, remember this quote from the Oracle of Omaha: "Do not save what is left after spending; instead spend what is left after saving". He calls this 'Paying yourself first'. Creating mandates for your SIPs will come in handy.

Interest rates on home loans (%)

Institution	Loan amount		
	Under ₹30 lakh	₹30 to 75 lakh	Over ₹75 lakh
BANKS (Floating rates)			
Axis Bank	8.75-9.65	8.75-9.65	8.75-9.65
Bank of Baroda	8.40-10.60	8.40-10.60	8.40-10.60
Bank of India	8.40-10.85	8.40-10.85	8.40-10.85
Bank of Maharashtra	8.35-10.90	8.35-10.90	8.35-10.90
Canara Bank	8.50-11.25	8.45-11.25	8.40-11.15
Central Bank	8.35-9.50	8.35-9.50	8.35-9.50
Federal Bank	>=8.80	>=8.80	>=8.80
HDFC Bank	8.75-9.95	8.75-9.95	8.75-9.95
ICICI Bank	8.75-9.80	8.75-9.95	8.75-10.05
Indian Bank	8.40-9.80	8.40-9.80	8.40-9.80
Indian Overseas Bank	>=8.40	>=8.40	>=8.40
IDBI Bank	8.50-12.75	8.50-12.75	8.50-12.75
Karur Vysya Bank	9.0-11.05	9.0-11.05	9.0-11.05
Kotak Mahindra Bank	>=8.75	>=8.75	>=8.75
Punjab National Bank	8.45-10.10	8.40-10.10	8.40-10.0
State Bank of India	8.50 - 9.65	8.50 - 9.65	8.50 - 9.65
South Indian Bank	8.70-11.70	8.70-11.70	8.70-11.70
Tamilnad Mercantile Bank	8.60-9.95	8.60-9.95	8.60-9.95
Union Bank of India	8.35-10.75	8.35-10.75	8.35-10.75
BANKS (Fixed rates)			
Axis Bank	14.00	14.00	14.00
IDBI bank	10.90-12.0	10.90-12.0	10.90-12.0
Union Bank of India	11.4	11.4-12.4	12.4-12.65
HOUSING FINANCE COMPANIES (Floating rates)			
Tata Capital	>=8.75	>=8.75	>=8.75
Piramal Cap & Housing Fin	>=9.50	>=9.50	>=9.50
PNB Housing	8.50- 11.25	8.50- 11.45	8.50- 11.45
Central Bank Housing	9.95-11.15	9.95-11.15	9.95-11.15
Samman Capital	>=8.75%	>=8.75%	>=8.75%
Aditya Birla Housing Fin	>=8.60	>=8.60	>=8.60
Bajaj Finserv	8.50-17.00	8.50-17.00	8.50-17.00
GIC Housing Finance	>=8.80	>=8.80	>=8.80
Sundaram Home Finance*	>=10	>=10	>=10
HOUSING FINANCE COMPANIES (Fixed rates)			
LIC Housing Finance	10-10.25	10-10.25	10-10.25

*Data as on respective banks' website on January 3, 2025; Rates that vary with tenures or credit score within the specified loan amounts are indicated as a range. Fixed interest rates may be subject to a revision after a specified tenure. Rates may also apply only for a definite period and change to floating thereafter. Compiled by BankBazaar.com. *Annual percentage rate

Prescription for a financially-stable future

FINANCIAL PLANNING. A doctor's wealth-building strategy, including saving for child's education abroad and lifestyle needs

Sridevi V


GETTY IMAGES

Dr Prashanth is a cardiologist in a private hospital chain in Chennai. He wanted to find out whether his investments were aligned to his risk profile by checking with a professional.

He is 53 years old, and his wife and a daughter are his dependents. His daughter is in class XII and planning to pursue her undergraduate studies in Australia. She got her tentative admission for a course in clinical psychology, a four-year course in the year 2025-26. The estimated expenses are ₹55 lakh per year, including her accommodation and personal expenses.

Dr Prashanth is keen to have a wealth corpus of ₹50 crore when he turns 60. He is confident of continuing his profession beyond 60 as long as his health permits. As there is not a pre-defined retirement age for him, his focus is on wealth accumulation.

His requirements are as below:

* To understand the returns in various instruments and how to measure, analyse and study the performance of his investments.

* To draft a plan so that his wife and daughter will get their right proportion as per his wish and manage without any hassles. They both are not inclined to manage finances and are not showing interest to learn, as things stand now.

* The family is not ready to compromise on living standards and sustaining the same lifestyle for a longer term is a priority

RISK PROFILE

Dr Prashanth is an aggressive investor, but lacks the understanding of financial assets. He started his investments in direct equities and mutual funds after 2020. He was worried about the value erosion of his investments in the recent months. He was advised to opt for a maximum of 60 per cent in equity and 40 per cent in fixed income in financial assets.

Review, recommendations

* He has adequate life insurance and medical insurance for the family

* He has covered all loans with the right insurance products in case of death and has professional indemnity insurance as well.

* He was advised to insure his properties against natural disasters and perils such as fire.

* A contingency plan was drafted to ensure his loans are paid in case he is not able to continue his profession for reasons beyond his control.

* His unit-linked insurance portfolio is fine-tuned to suit his risk profile and the asset allocation at a maximum of 60 per cent in equity and the balance in fixed income instruments. Anytime the portfolio is overweight by 5-10 per cent, the portfolio needs to be rebalanced. It was suggested to review the investment once in six months.

* His unregulated investments carry higher risk as they are in private equity. He was advised to exit those instruments in a phased manner.

* Though his stock portfolio has given him better appreciation, he is not able to digest the higher volatility after it crossed ₹1 crore. He was advised to bring down the stock portfolio to 50 per cent of the current value and move to mutual funds in a systematic manner.

* His mutual funds portfolio has delivered 21 per cent CAGR in the last three-four years and he was happy with the transparency of the product and the professional management. It was recommended to choose the right schemes based on his risk profile and overall asset allocation.

* He was also advised to continue his plan of opting for educational loan for his daughter's education for 50 per cent of the cost, which will be repaid by his daughter later. He will be funding 50 per cent of the costs and the interest portion of the educational loan till she completes her study.

* He is currently judiciously using his loans to build his wealth. His tax planning is taken care of by a professional chartered accountant. He was advised not to increase the liabilities beyond 25 per cent of his net worth.

INVESTMENT ADVICE

Tone down the return expectations in the near term while keeping an eye on the emotions to watch for risk aversion in the short term

* His investible surplus of ₹2.5 lakh to be invested in mutual funds portfolio in a systematic way. With an expected return of 15 per cent and moving funds from stocks portfolio (50 per cent) and unregulated investments (30 per cent) and unit-linked insurance plans to a well-drafted investment portfolio, he will be able to accumulate ₹11 crore in the next seven years in mutual funds.

* He was advised to systematically build his wealth based on his chosen asset allocation. He is yet to witness the market cycles to understand the volatility better.

* As he is keen to continue his profession beyond 60, he will be able to accumulate ₹50-crore target in his mid-60s if he is disciplined to follow the plan. His investment portfolio has the high potential to achieve his target corpus from the current net worth if he sticks to his asset allocation and a diversified portfolio of assets.

* He was advised to reduce the liabilities to 5 per cent of his net worth or below nearing age 60.

As an investor with relatively less experience in the markets coupled with his aggressive risk profiling, there are two factors that needed more understanding.

* Returns since 2020 have given rise to higher-than-average expectations with respect to equity markets

* Without going through a phase of no return or negative returns in the market, the ability to take risks while investing is likely to be at elevated levels.

An effort was made to communicate these two aspects to the investor, to tone down the return expectations in the near term while keeping an eye on the emotions to watch for risk aversion in the short term. It was also communicated that markets are cyclical in nature and not a one-way street so that the plan is diligently followed despite short-term moves being down or up.

Inflows, outflows, investments, assets and loans

(in ₹)

Income	Monthly	Annual
Consultancy income	7,00,000	84,00,000
Teaching assignments		12,00,000
Rental income	75,000	9,00,000
Total		**1,05,00,000**
Expenses		
Total lifestyle expenses	3,00,000	36,00,000
Loan EMI	2,75,000	33,00,000
Total		69,00,000

Assets and Investments	Current value (₹)
Self-occupied home in Chennai	2,50,00,000
Rental properties	2,50,00,000
Fixed deposits	15,00,000
Stocks portfolio	1,50,00,000
MF portfolio	85,00,000
Unit linked insurance	75,00,000
Unregulated investments	85,00,000
Plots	45,00,000
Car	60,00,000
Total	**10,15,00,000**
Loans for plot, rental properties, car	2,50,00,000
Net worth	**7,65,00,000**

The author is a SEBI Registered Investment Adviser and can be reached at www.financialplanners.co.in